

गरीबी उन्मूलन की उपलब्धि और यूएनडीपी की भारत की तारीफ का सबब

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र

विकास कार्य मण्डल (यूएनडीपी)

द्वारा प्रकाशित बहुआयामी

गरीबी सूचकांक, 2023

रिपोर्ट में भारत की इस बात

के लिए सहानुभाव की गई है

कि उसने गरीबी उन्मूलन में

अच्युत देशों की तुलना में

बेहतर प्रदर्शन किया है। वर्ष

2015 में सतत विकास लक्षणों

(एसडीजी) में से एसडीजी में

उम्मीद की गई

थी कि यूएनडीपी

में वर्ष 2030 तक सभी

प्रकाशित

की गरीबी समाप्त हो जाएगी।

वर्ष 2023 की रिपोर्ट में इस

बात पर संतोष व्यक्त किया

गया कि वैश्विक रस्ते पर इस

लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय

प्रगति हुई है।

गरीबी की एक परिभाषा का उपयोग करता है, जिसे बहुआयामी गरीबी कहा जाता है। यह परिभाषा सभी देशों के लिए समाप्त है। विश्व के विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उपयोग की जाए वाली गरीबी की फिर संघर्ष परिभाषाओं के बारे में उपराजनकारी के कारण गरीबी का एक सामन आकर्षक सभी देशों में तुलनात्मक रूप से विश्व के विभिन्न देशों के बीच तुलना करना भी कठिन हो जाता है। यूएनडीपी के बहुआयामी गरीबी का पर्याप्त मौजूदा अवधि नहीं कि एक निवित अवधि के दौरान दुनिया के सभी देशों में तुलनात्मक रूप से गरीबी कितनी और कब कम हुई है। भारत के संदर्भ में, यूएनडीपी डाटा तीन वर्षों, 2005-06, 2010-11 और 2015-21 का बहुआयामी गरीबी में वर्ष 2010-21 का विवरण देता है। इस डाटा के मुताबिक, भारत में वर्ष 2005-06 में 55.1 फौसदी आवादी यानी 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से पर्दित थे। 10 साल बाद वर्ष 2015-16 में यह आकंड़ा 27.7 फौसदी यानी 37 करोड़ रह गया। इन 10 वर्षों के दौरान गरीबी के प्रतिशत में कमी की रफ्तार बढ़कर सालाना 6.6 प्रतिशत रही। लेकिन



यूएनडीपी की

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2015-16 से 2019-21 की विश्व में बहुआयामी गरीबी से पीड़ित गरीबों का अनुपात घटकर जरूरतखा का कलंक 16.4 प्रतिशत रह गया; और गरीबों की संख्या 33 फौसदी की गिरावट आई। इस दौरान ऐसा व्यापार हुआ कि गरीबी कम करने में अभृतपूर्ण तेजी आई, जिससे यूएनडीपी को भारत की तारीफ करनी पड़ी। यह भारत के लिए तो अच्युत खबर ही है, दुनिया के लिए भी यह अच्युत खबर और सबक है। यूएनडीपी ने बहुआयामी गरीबी के जो प्रारंभिक अंकड़े में बहुआयामी गरीबी के संख्या में भारत और अंकड़े के बीच भारत से आते हैं। इसका मतलब यह भी है कि बहुआयामी गरीबी के तहत लोगों की संख्या में कुछ अच्युत देशों का योगदान केवल 23 करोड़ ही है। यानी अब इन 81 देशों के कलंक 23.7 प्रतिशत गरीब लोग ही भारत से आते हैं। इसका मतलब यह भी है कि बहुआयामी गरीबी के तहत लोगों की संख्या में भारत लोगों का योगदान केवल 16 में 21.1 प्रतिशत और 2019-21 में 11.8 फौसदी रह गया है। आवास की बात करें, तो पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों में मिलाकर लगभग तीन करोड़ घर बनाए गए हैं, जिसे बाहरी दृष्टि के 150.8 करोड़ गरीब लोगों में से 64.5 करोड़ लोग (2005-06 में) भारत से थे। यानी इन 81 देशों के 42.8

फौसदी से ज्यादा गरीब भारत में रहते थे। लेकिन यूएनडीपी के ताजा अंकड़े बताते हैं कि दुनिया के इन 81 देशों में गरीबों की कुल संख्या 31 अब घटकर 9.4 करोड़ रह गई है, लेकिन इसमें उल्लेखनीय शामिल है। ऐसे में यह समझना जरूरी होगा कि दौरान दुनिया के बीच भारत से अधिक गरीबी के संख्या अब घटकर 9.4 करोड़ ही है। यानी एक अब इन 81 देशों के कलंक 23.7 प्रतिशत गरीब लोग ही भारत से आते हैं। इसका मतलब यह भी है कि बहुआयामी गरीबी के तहत लोगों की संख्या में भारत लोगों का योगदान केवल 16 में 21.1 प्रतिशत और 2019-21 में 11.8 फौसदी रह गया है। आवास की बात करें, तो पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों में मिलाकर लगभग तीन करोड़ घर बनाए गए हैं, जिसे बाहरी दृष्टि के 150.8 करोड़ गरीब लोगों में से 64.5 करोड़ लोग (2005-06 में) भारत से थे। यानी इन 81 देशों के 42.8

दुनिया को इससे सबक लेने की जरूरत है कि उसे भी भारत की तर्ज पर बहुआयामी गरीबी दूर करने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। नरेंद्र मोदी सरकार का बहुआयामी गरीबी के निर्धारितों पर विशेष ध्यान रहा। आज भारत में बाल मृत्यु दर घटकर मात्र 1.5 प्रतिशत रह गई है, जो 2015-16 में 2.2 प्रतिशत थी। पोषण और कुपोषण व्यवस्थाएँ भवित्व में प्रतिशत में भी भारी सुधार हुआ है, जो 2005-06 में 44.3 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 21.1 प्रतिशत और 2019-21 में 11.8 फौसदी रह गया है। आवास की बात करें, तो पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों में मिलाकर लगभग तीन करोड़ घर बनाए गए हैं, जिसे बाहरी दृष्टि के 150.8 करोड़ गरीब लोगों में से 64.5 करोड़ लोग (2005-06 में) भारत से थे। यानी इन 81 देशों के 42.8

अधिनी महाजन

संपादकीय

चुनावी मुकाबले में 'इंडिया'

व्यायाम में कहा गया है कि 'इंडिया' रणनीतिक क्षेत्रों में सार्वजनिक क्षेत्रों की प्रमुख भूमिका को बहात करेगा। यह एक बड़ा बात है। इसे पूरा करने की नए गठबंधन के पास क्या रणनीति है, इसका संकेत सभवतः उसके साझा न्यूट्रल सम्बन्ध के बारे में लिखा गया।

छव्वीस विपक्षी व्यापकीय साथी ने अपने गठबंधन के बानाए गए अंकड़े के बारे में लिखा है। इस तरह उन्होंने भारत के मंदिराओं के मामले को छूने की कोशिश की है। एन एसएस में ज्ञान-ज्ञान और ज्ञान-ज्ञान के बीच भारतीय साझा न्यूट्रल सम्बन्ध के बारे में लिखा है। एन एसएस ने अपने गठबंधन डेस्ट्रेटर के बारे में लिखा है। एन एसएस ने अपनी विकास दृष्टि को इसी शब्द से व्यक्त किया था, जो वैसे नव-उदाहरणीय नीतियों के साथ सारी दुनिया में पहुंचा था। अर्थ यह है कि जो विकास हो, वह समावेशी हो। यानी उनके लाभ सभी तबकों तक पहुंचें। इसके लिए यह यूपी के जमाने में एक साथल एंड-डा अपनी गतिशीलता के बारे में लिखा है। यूपी ने अपनी विकास दृष्टि को इसी शब्द से व्यक्त किया था, जो वैसे नव-उदाहरणीय नीतियों के साथ सारी दुनिया में पहुंचा था। अर्थ यह है कि जो विकास हो, वह समावेशी हो। यानी उनके लाभ सभी तबकों तक पहुंचें। अपनी विकास दृष्टि के जमाने में एक साथल एंड-डा अपनी गतिशीलता के बारे में लिखा है। यूपी ने अपनी विकास दृष्टि को इसी शब्द से व्यक्त किया था, जो वैसे नव-उदाहरणीय नीतियों के साथ सारी दुनिया में पहुंचा था। अर्थ यह है कि जो विकास हो, वह समावेशी हो। यानी उनके लाभ सभी तबकों तक पहुंचें। अपनी विकास दृष्टि के जमाने में एक साथल एंड-डा अपनी गतिशीलता के बारे में लिखा है। यूपी ने अपनी विकास दृष्टि को इसी शब्द से व्यक्त किया था, जो वैसे नव-उदाहरणीय नीतियों के साथ सारी दुनिया में पहुंचा था। अर्थ यह है कि जो विकास हो, वह समावेशी हो। यानी उनके लाभ सभी तबकों तक पहुंचें। अपनी विकास दृष्टि के जमाने में एक साथल एंड-डा अपनी गतिशीलता के बारे में लिखा है। यूपी ने अपनी विकास दृष्टि को इसी शब्द से व्यक्त किया था, जो वैसे नव-उदाहरणीय नीतियों के साथ सारी दुनिया में पहुंचा था। अर्थ यह है कि जो विकास हो, वह समावेशी हो। यानी उनके लाभ सभी तबकों तक पहुंचें। अपनी विकास दृष्टि के जमाने में एक साथल एंड-डा अपनी गतिशीलता के बारे में लिखा है। यूपी ने अपनी विकास दृष्टि को इसी शब्द से व्यक्त किया था, जो वैसे नव-उदाहरणीय नीतियों के साथ सारी दुनिया में पहुंचा था। अर्थ यह है कि जो विकास हो, वह समावेशी हो। यानी उनके लाभ सभी तबकों तक पहुंचें। अपनी विकास दृष्टि के जमाने में एक साथल एंड-डा अपनी गतिशीलता के बारे में लिखा है। यूपी ने अपनी विकास दृष्टि को इसी शब्द से व्यक्त किया था, जो वैसे नव-उदाहरणीय नीतियों के साथ सारी दुनिया में पहुंचा था। अर्थ यह है कि जो विकास हो, वह समावेशी हो। यानी उनके लाभ सभी तबकों तक पहुंचें। अपनी विकास दृष्टि के जमाने में एक साथल एंड-डा अपनी गतिशीलता के बारे में लिखा है। यूपी ने अपनी विकास दृष्टि को इसी शब्द से व्यक्त किया था, जो वैसे नव-उदाहरणीय नीतियों के साथ सारी दुनिया में पहुंचा था। अर्थ यह है कि जो विकास हो, वह समावेशी हो। यानी उनके लाभ सभी तबकों तक पहुंचें। अपनी विकास दृष्टि के जमाने में एक साथल एंड-डा अपनी गतिशीलता के बारे में लिखा है। यूपी ने अपनी विकास दृष्टि को इसी शब्द से व्यक्त किया था, जो वैसे नव-उदाहरणीय नीतियों के साथ सारी दुनिया में पहुंचा था। अर्थ यह है कि जो विकास हो

